रौल नं०..............................नाम परीक्षार्थी..............................

XII-1S

प्रीबोर्ड परीक्षा सन् 2024 ई० A

सामान्य हिन्दी (केवल प्रश्न–पत्र)

समय – 3 घण्टा 15 मिनट कक्षा – 12 पूर्णांक – 100

निर्देश:– प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न–पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

खण्ड 'क'

1\. (क) 'सरस्वती' पत्रिका के प्रथम सम्पादक हैं :– 1

(अ) महावीरप्रसाद द्विवेदी (ब) श्यामसुन्दर दास

(स) जयशंकर प्रसाद (द) हरदेव बाहरी।

(ख) 'चिन्तामणि' किस लेखक के निबन्धों का संग्रह है :– 1

(अ) प्रेमचन्द (ब) श्यामसुन्दरदास

(स) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (द) गुलाबराय।

(ग) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी की रचना है :– 1

(अ) अशोक के फूल (व) त्रिवेणी (स) साहित्य–सीकर (द) कल्पवृक्ष।

(घ) 'भारत दुर्दशा' रचना है :– 1

(अ) जयशंकर प्रसाद की (ब) रामकुमार वर्मा की

(स) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की (द) श्यामसुन्दरदास की।

(ङ) द्विवेदी युग के लेखक हैं :– 1

(अ) सदल मिश्र (ब) मोहन राकेश

(स) सरदार पूर्णसिंह (द) हजारीप्रसाद द्विवेदी।

2\. (क) ज्ञानाश्रयी काव्यधारा के कवि नहीं है:– 1

(अ) कबीरदास (व) मलूकदास (स) नन्ददास (द) रैदास।

(ख) रीतिवद्ध काव्य धारा के कवि नहीं है :– 1

(अ) जसवंत सिंह (ब) याकूब खॉ

(स) दलपति राय वंशीधर (द) घनानन्द।

(ग) सुमित्रानन्दन पंत की रचना है :– 1

(अ) पल्लव (व) स्वर्गधूलि (स) ग्रंथि (द) रसवन्ती।

(घ) 'कामायनी' के प्रथम सर्ग का नाम है :– 1

(अ) चिन्ता (व) आशा (स) श्रृद्धा (द) इड़ा।

(ङ) प्रगतिवादी काव्यधारा के प्रमुख कवि हैं :– 1

(अ) केदारनाथ अग्रवाल (ब) सूरदास

(स) तुलसीदास (द) चन्दबरदायी।

3\. निम्न गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए :– 10

यह प्रणाम–भाव ही भूमि और जल का दृढ़–बंधन है। इसी दृढ़भित्ति पर राष्ट्र का भवन तैयार किया जाता है। इसी दृढ़–चट्टान पर राष्ट्र का चिर जीवन आश्रित रहता है। इसी मर्यादा को मानकर राष्ट्र के प्रति मनुष्य के कर्त्तव्य औश्र अधिकारों का उदय होता है। जो जन पृथिवी के साथ माता और पुत्र के सम्बन्ध को स्वीकार करता है, उसे ही पृथिवी के वरदानों में भाग पाने का अधिकार है। माता के प्रति अनुराग और सेवा–भाव पुत्र का स्वभाविक कर्त्तव्य है। वह एक निष्काम कर्म है। स्वार्थ के लिए पुत्र का माता के प्रति प्रेम, पुत्र के अधःपतन को सूचित करता है। जो जन मातृभूमि के साथ अपना सम्बन्ध जोड़ना चाहता है उसे अपने कर्त्तव्यों के प्रति पहले ध्यान देना चाहिए।

(अ) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

(पृष्ठ पलटिए)

(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) स्वार्थ के लिए पुत्र का माता के प्रति प्रेम क्या सूचित करता है?
(द) भूमि और जन का दृढ़-बन्धन क्या है?
(य) 'दृढ़भित्ति' और 'निष्कारण' शब्दों का अर्थ लिखिए।

अथवा

भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है। संस्कृति परम्परा से निःसृत होने पर भी, परिवर्तनशील और गतिशील है। उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है। वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परम्परागत प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए नये प्रयोगों की, नयी भाव-योजनाओं को व्यक्त करने के लिए नये शब्दों की खोज की महती आवश्यकता है।

(अ) गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) 'उद्भूत' तथा 'महती' शब्दों में क्रमशः उपसर्ग और प्रत्यय छाँटकर लिखिए।
(द) भाषा किसका अभिन्न अंग है और क्यों?
(य) संस्कृति की गति विज्ञान की प्रगति के साथ क्यों जोड़ी जाती है?

4. किसी एक पद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- 10

(अ) सूखी जाती मलिन लतिका जो धरा में पड़ी हो।
तो पाँवों के निकट उसको श्याम के ला गिराना॥
यों सीधे से प्रकट करना प्रीति से वंचिताव हो।
मेरा होना अति मलिन और सूखते नित्य जाना॥
कोई पत्ता नवल तरु का पीत जो हो रहा हो।
तो प्यारे के दृग युगल के सामने ला उसे ही॥
धीरे-धीरे सँभल रखना और उन्हें यों वताना।
पीला होना प्रवल दुख से प्रेषिता-सा हमारा॥

(अ) कविता का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) "यों सीधे से प्रकट करना प्रीति से वंचिता हो।" इस पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।
(द) किसी सूखी लता के संदर्भ में राधिका पवन-दूतिका से क्या कह रही है?
(य) सूखी लता को श्रीकृष्ण के चरणों में गिरवाकर राधिका उन्हें क्या दर्शाना चाहती हैं?

(ब) चाँदनी रात का प्रथम प्रहर,
हम चले नाव लेकर सत्वर।
सिकता की सस्मित सीपी पर मोती की ज्योतना रही विचर
लो, पालें चढ़ी, उड़ा लंगर!
मृदु मन्द-मन्द, मंथर-मंथर, लघु तरणि, हंसिनी-सी सुन्दर,
तिर रही, खोल पालों के पर!
निश्चल जल के शुचि दर्पण पर बिम्बित हो रजत पुलिन निर्भर
दुहरे ऊँचे लगते क्षण भर!
कालाकाँकर का राजभवन सोया जल में निश्चित, प्रमन
पलकों पर वैभव-स्वप्न सघन!

(अ) कविता का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) कवि नौका-विहार के लिए कब निकला?

(द) गंगा के तट के सौन्दर्य का वर्णन करते हुए कवि क्या कहते हैं?
(य) गंगा के तट पर स्थित राजभवन के सौन्दर्य का कवि ने किस प्रकार वर्णन किया है?

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक का जीवन परिचय एवं गद्य रचनाओं के बारे में लिखिए :- 5
(अ) वासुदेवशरण अग्रवाल (ब) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी
(स) डॉ. कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
(ख) निम्न में से किसी एक कवि का जीवन परिचय एवं कृतियों का उल्लेख कीजिए -5
(अ) जयशंकर प्रसाद (ब) रामधारी सिंह दिनकर
(स) सुमित्रानन्दन पंत।

6. 'लाटी' या 'ध्रुवयात्रा' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। 5

7. स्वपठित नाटक के किसी प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए। 5

खण्ड – 'ख'

8. निम्नलिखित अवतरणों का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए:- 7
(क) राजा शिव, शिव इति उदीरयन् प्रत्यक्षरं लक्षं दत्त्वा प्राह-'त्वरितं गच्छ गेहम्, त्वद्गृहिणी खिन्ना वर्तते।' अन्यदा भोजः श्रीमहेश्वरं नमितुं शिवालयमभ्यगच्छत् तदो कोऽपि ब्राह्मणः राजानं शिवसन्निधौ प्राह-देव! अर्द्ध दानववैरिणा गिरिजयाप्यर्द्ध शिवस्याहृतम्। देवेत्थं जगतीतले पुरहराभावे समुन्मीलति॥ गङ्गा सागरमम्बरं शशिकला नागधिपः क्ष्मातलम्। सर्वज्ञत्वमधीश्वरत्वमगमत् त्वां मां तु भिक्षाटनम्॥

अथवा

हिन्दी-संस्कृताङ्ग्लभाषासु अस्य समानः अधिकारः आसीत्। हिन्दी-हिन्दु-हिन्दुस्थानानामुत्थानाय अयं निरन्तरं प्रयत्नमकरोत्। शिक्षयैव देशे समाजे च नवीनः प्रकाशः उदेति अतः श्रीमालवीयः वाराणस्यां काशी हिन्दू विश्वविद्यालयस्य संस्थापनमकरोत्। अस्य निर्माणाय अयं जनान् धनम् अयाचत जनाश्च महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रायच्छन्, तेन निर्मितोऽयं विशालः विश्वविद्यालयः भारतीयानां दानशीलतायाः श्रीमालवीयस्य यशसः च प्रतिमूर्तिरिव विभाति।

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :- 7

अभूत् प्राची पिङ्गा रसपतिरिव प्राप्य कनकं,
गतच्छायश्चन्द्रो बुधजन इव ग्राम्यसदसि।
क्षणं क्षीणास्तारा नृपतय इवानुद्यमपराः, न
दीपा राजन्ते द्रविणरहितानामिव गुणाः।

अथवा

सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम्।
वृणुते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्धाः स्वयमेव सम्पदः॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी **एक** का अर्थ लिखकर अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए :- 2
(क) अक्ल के दुश्मन (ख) खून का प्यासा
(ग) एक अनार सौ बीमार (घ) दूध का दूध पानी का पानी।

10. निम्नलिखित के सही विकल्प चुनकर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए:- 3
(क) (अ) महर्षिः' शब्द का सन्धि-विच्छेद है :-
(i) मह + र्षिः (ii) म + हर्षि
(iii) महा + ऋषिः (iv) महा + रिषि।

(पृष्ठ पलटिए)

(ब) 'वागीशः' का सन्धि–विच्छेद है :–
(i) वाग् + ईशः (ii) वाक् + ईशः
(iii) वागी + शः (iv) वा + गीशः ।
(स) 'पवित्रम्' का सही सन्धि–विच्छेद है :–
(i) पो + इत्रम्: (ii) पव + इत्रम्
(iii) पव + वित्रम् (iv) पौ + इत्रम्: ।

(ख) दिए गए शब्दों की विभक्ति और वचन के अनुसार सही विकल्प छाँटकर लिखिए :– 2
(अ) 'नामसु' :–
(i) तृतीया, एकवचन (ii) द्वितीया, बहुवचन
(iii) पञ्चमी, द्विवचन (iv) सप्तमी, बहुवचन।
(ब) 'जगत्सु' :–
(i) पंचमी, एकवचन (ii) षष्ठी, एकवचन
(iii) द्वितीया, बहुवचन (iv) सप्तमी, बहुवचन।

11\. (क) निम्नलिखित शब्द–युग्मों का सही अर्थ चुनकर लिखिए :– 2
(अ) पतन–पत्तन :–
(i) गिरना और उठना (ii) पत्ता और फूल
(iii) गिरना और बन्दरगाह (iv) पर्दा और किवाड़।
(ब) द्रव–द्रव्य :–
(i) तरल पदार्थ और धन (ii) धन और धान्य
(iii) दान और देने योग्य (iv) दवा और दया।

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो–दो अर्थ लिखिए :– 2
अभियोग, कमल, दल, पद।

(ग) निम्न वाक्यांशों में से किन्हीं दो के लिए एक–एक शब्द लिखिए:– 2
(अ) जिसका नाश न हो (ब) जो इच्छा के अधीन न हो।
(स) कम खाने वाला (द) घृणा करने योग्य

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध कीजिए:– 2
(अ) महादेवी वर्मा हिन्दी की प्रसिद्ध कवित्री थीं।
(ब) परमात्मा के अनेकों नाम हैं।
(स) एक फूल की माला लाओ।
(द) पुराने बातों को भूल जाओ।

12\. (क) श्रृंगार रस अथवा हास्य रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2
(ख) अनुप्रास अथवा उपमा अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए। 2
(ग) चौपाई और दोहा छन्द की परिभाषा दीजिए। 2

13\. ऋण–प्राप्ति हेतु भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबन्धक को आवेदन–पत्र लिखिए। 6

अथवा

बिजली–समस्या के निराकरण हेतु अपने जिले के बिजली विभाग को एक शिकायती पत्र लिखिए।

14\. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा–शैली में निबन्ध लिखिए :– 9
(क) स्वच्छता अभियान की सामाजिक सार्थकता
(ख) भारत में जनसंख्या वृद्धि की समस्या।
(ग) विज्ञान वरदान है या अभिशाप।
(घ) वर्तमान समाज पर दूरदर्शन का प्रभाव।